मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
मुंबई
वर्ष: 3 अंक 215
शनिवार, 20 फरवरी, 2021
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.in
हर खबर निष्पक्षता के साथ

शिव जयंती के अवसर पर गरीब और जरूरतमंद बच्चों को पारंपरिक परिधानों का वितरण

मुंबई। अक्षरा सामजिक प्रतिष्ठान एक धर्मार्थ संगठन है जो हमेशा अपनी सामाजिक गतिविधियों में सबसे आगे रहा है। कोरोना अवधि के दौरान इस संगठन द्वारा किया गया कार्य बेजोड़ है। जरूरतमंदों को खाद्यान्न का वितरण, छात्रों को स्कूल की आपूर्ति का वितरण, साथ ही जरूरतमंदों को चिकित्सा सहायता एक सतत और निर्बाध प्रक्रिया है। महाराष्ट्र के आराध्य देवता श्री छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती के अवसर पर सिवरी के कोलवा बंदर में अक्षरा सामजिक प्रतिष्ठान और मयूरेश ड्रेस्वाला द्वारा संयुक्त रूप से पारंपरिक परिधानों का वितरण किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलन से हुई और श्री छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। मुख्य अतिथि मयूरेश शेरला (मयूरेश ड्रेसवाले) को भी इस अवसर पर सम्मानित किया गया। बच्चों को पारंपरिक वेशभूषा वितरित करने का उद्देश्य महान संतों, महान महात्माओं, देशभक्तों के लिए पारंपरिक वेशभूषा वितरित करना था जिन्होंने देश के लिए अपना बलिदान दिया। इस अवसर पर लगभग 200 से 250 गरीब बच्चों को कपड़े दिए गए। अक्षरा सामजिक प्रतिष्ठान के अध्यक्ष और यूनिवर्सल ह्यूमन राइट्स मुंबई के महासचिव अमोल वंजारे, सिने नाट्य निर्देशक, पत्रकार महेश्वर भिकाजी तेटांबे, मयूरेश ड्रेसवाले कें मालिक मयूरेश शेरला, सामाजिक कार्यकर्ता शेखर अडके और स्थानीय निवासी और अन्य। गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में, अक्षरा सोशल फाउंडेशन के अध्यक्ष अमोल वंजारे ने मेहमानों और स्थानीय निवासियों का धन्यवाद किया। इस प्रकार, श्री छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती के अवसर पर, पारंपरिक पोशाखोंका वितरण पारंपरिक तरीके से संपन्न हुआ।